रामाष्टकः

नं. १८११

6105

complete

ॐ श्रीरामायनमः ॥ ॐ श्रीरामरामरघुनं
दनरामराम ॥ श्रीरामरामभरताग्र
जरामराम ॥ श्रीरामरामरणकर्क
शरामराम ॥ श्रीरामरामशरणंभ
वरामराम ॥ श्रीरामरामसकले

रा

खरामराम॥श्रीराममराममनुजो
खरामराम॥श्रीराममरामधनुजो
खरामराम॥श्रीराममरामशरणे
भवरामराम॥१॥श्रीराममरामकरु
णेतणारामराम॥श्रीराममरामक

हणाप्रियरामराम॥ श्रीरामराम-
करुणाकररामराम॥ श्रीरामरा
मशरणंभवरामराम॥३॥ श्रीरा
मरामकमलेत्तणरामराम॥ श्री
रामरामकमलाप्रियरामराम

रा०
२ श्रीरामरामकमलाकररामराम
श्रीरामरामशरणंभवरामराम ५
श्रीरामरामसकलेश्वररामरा
म॥ श्रीरामरामजगदीश्वररामराम
राम॥ श्रीरामरामरघुनाथाश्रयरा

म राम ॥ श्रीराम राम शरणं भव रा
म राम ॥ ५ ॥ श्रीराम राम गुणभूष
ण राम राम ॥ श्रीराम राम गुणभा
जन राम राम ॥ श्रीराम राम गुणसा
गर राम राम ॥ श्रीराम राम शरणं भ

रा॰
४

3

वरामराम॥४॥श्रीरामरामहरितं
नकरामराम।श्रीरामरामदन्तं
नकरामराम॥श्रीरामरामनरकं
नकरामराम॥श्रीरामरामशारणं
भवरामराम॥७॥श्रीरामरामसक

विप्रियरामराम॥श्रीरामरामह
जनप्रियरामराम॥श्रीरामरामहस्त
निप्रियरामराम॥श्रीरामरामशरण्यं
भरामराम॥७॥रामाष्टकमिदंपु
ण्यंप्रातःकालेनयःपठेत्॥नस्य

रा
४

ते सर्वपापेभ्यो विस्नलोकं स गच्छ-
ति ॥ ९ ॥ इति श्री रामाष्टकं संपूर्णम् ॥



॥ ॥